



सत्यमेव जयते

# भारत का राजपत्र The Gazette of India

असाधारण  
EXTRAORDINARY

भाग—II खण्ड 3—उप-खण्ड (ii)  
PART—II Section 3—Sub-section (ii)  
प्राधिकार से प्रकाशित  
PUBLISHED BY AUTHORITY

सं० 430]  
No. 430]

नई दिल्ली, शुक्रवार, अक्टूबर 26, 1979/कार्तिक 4, 1901  
NEW DELHI, FRIDAY, OCTOBER 26, 1979/KARTIKA 4, 1901

इस भाग में निम्न पृष्ठ संख्या दी जाती है जिससे कि यह अलग संकलन के रूप में रखा जा सके।

Separate paging is given to this Part in order that it may be filed as a separate compilation

गृह संचालय

नई दिल्ली, 26 अक्टूबर, 1979

अधिसूचना

का. आ. 600(अ).—रेवोल्यूशनरी पिपल्स फ्रंट (जो पहले आम्ड रेवोल्यूशनरी गवर्नमेंट आफ मणिपुर का नाम से ज्ञात था), पिपल्स लिबरेशन आर्मी, पिपल्स रेवोल्यूशनरी पार्टी आफ कंगलेपक और रेड आर्मी (जिन्हें इसमें आगे मेती उग्रवादी संगठन कहा गया है)

- (1) ने मणिपुर राज्य से मिल कर बनने वाले एक स्वतंत्र मणिपुर का निर्माण करने के अपने उद्देश्य की खुलेआम घोषणा की है और अपने इस उद्देश्य के अनुसरण तथा भारत संघ से उक्त राज्य को बिलग कराने के लिए हिंसात्मक क्रियाकलाप का सहारा लिया है ;
- (2) अपने उक्त उद्देश्य की प्राप्ति के लिए, सशस्त्र बलों, अर्थात्, तथाकथित पिपल्स लिबरेशन आर्मी और रेड आर्मी और अपने द्वारा बनाए गए अन्य निकायों का नियोजन कर रहे हैं ;
- (3) अपने उक्त उद्देश्य को अग्रसर करने के लिए, मणिपुर राज्य में सुरक्षा बलों और सिविल सरकार तथा नागरिकों पर हमला करने के लिए

उक्त सशस्त्र बलों का नियोजन कर रहे हैं और सिविल आबादी को लूटने तथा उन्हें अभिन्न करने संबंधी कार्य कर रहे हैं तथा अपने संगठनों के लिए धन संग्रह कर रहे हैं ;

- (4) अपने उक्त उद्देश्य की प्राप्ति के लिए, अपने संगठनों के माध्यम से विदेशों से संपर्क बनाए हुए हैं जिससे कि उन्हें वित्तीय सहायता तथा सशस्त्रों और प्रशिक्षण के रूप में अन्य सहायता मिल सकें और उन्हें ऐसी सहायता मिली भी है ;

और केंद्रीय सरकार की राय है कि उक्त कारणों से, मेती उग्रवादी संगठन तथा उनके द्वारा बनाए गए अन्य निकाय, जिनमें उपर्युक्त सशस्त्र बल भी सम्मिलित हैं, विधि विरुद्ध संगठन है ;

और केंद्रीय सरकार की यह भी राय है कि इस तथाकथित पिपल्स लिबरेशन आर्मी तथा रेड आर्मी के सशस्त्र ग्रुपों द्वारा पुलिस बलों तथा सिविल आबादी के प्रति बार-बार हिंसात्मक कार्यों और उन पर हमलों के कारण, मेती उग्रवादी संगठनों और उनके द्वारा बनाए गए अन्य निकायों को, जिनमें तथाकथित पिपल्स लिबरेशन आर्मी तथा रेड आर्मी भी सम्मिलित है, तुरन्त विधि विरुद्ध घोषित करना आवश्यक है ;

अतः अब, केंद्रीय सरकार, विधि विरुद्ध क्रियाकलाप (निवारण) अधिनियम, 1967 (1967 का 37) की धारा

3 की उप-धारा (1) द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करने हुए "रेवोल्यूशनरी पिपल्स फ्रंट (जो पहले आमङ्क रेवोल्यूशनरी गवर्नमेंट आफ मणिपुर के नाम से ज्ञात था), पिपल्स लिबरेशन आर्मी, पिपल्स रेवोल्यूशनरी पार्टी आफ कंगलेपक तथा 'रेड आर्मी' और उनके द्वारा बनाए गए अन्य निकायों" को विधि विरुद्ध संगठन घोषित करती है, और उस धारा की उप-धारा (3) के परन्तुक द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए, यह निदेश देती है कि उक्त अधिनियम की धारा 4 के अधीन किए जाने वाले किसी आदेश के अधीन रहते हुए, यह अधिसूचना, राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से प्रभावी होगी।

[फा. सं. 3/14026/2/79-एन.ई.-(1)]

प्रमोद प्रकाश श्रीवास्तव, संयुक्त सचिव

#### MINISTRY OF HOME AFFAIRS

New Delhi, the 26th October, 1979

#### NOTIFICATION

**S.O. 600(E).**—Whereas the Revolutionary People's Front (formerly known as the Armed Revolutionary Government of Manipur), the People's Liberation Army, People's Revolutionary Party of Kangleipak, and the 'Red Army' (hereinafter referred to as the Meitei Extremist Organisations).

- (i) have openly declared as their objective the formation of an independent Manipur comprising the State of Manipur and have resorted to violent activities in pursuance of their objective and bring about secession of the said State from the Union of India;
- (ii) have been employing armed forces, namely, the so-called People's Liberation Army and the Red Army, and the other bodies set up by them, to achieve their aforesaid objective.
- (iii) have, in furtherance of their aforesaid objective been employing the said armed forces in attacking

the Security Forces and the Civil Government and the citizens in the State of Manipur, and indulging in acts of looting and intimidation against the civilian population and collection of funds for their organisations;

- (iv) have, to achieve their aforesaid objective, maintained contacts with foreign countries through their organisations with a view to securing financial assistance and assistance by way of arms and training and have secured such assistance;

And whereas the Central Government is of the opinion that for the reasons aforesaid, the Meitei Extremist Organisations and other bodies set up by them, including the armed forces named above, are unlawful associations;

And whereas the Central Government is further of the opinion that because of the repeated acts of violence and attacks by armed groups of the so-called People's Liberation Army and the Red Army on the police forces and on the civilian population, it is necessary to declare the Meitei Extremist Organisations and the other bodies set up by them, including the so-called People's Liberation Army and the Red Army, to be unlawful with immediate effect;

Now, therefore, in exercise of the powers conferred by sub-section (1) of section 3 of the Unlawful Activities (Prevention) Act, 1967 (37 of 1967), the Central Government hereby declares "the Revolutionary People's Front (formerly known as the Armed Revolutionary Government of Manipur), the People's Liberation Army, People's Revolutionary Party of Kangleipak, and the Red Army and other bodies set up by them" to be unlawful associations, and directs, in exercise of the powers conferred by the proviso to sub-section (3) of that section, that this notification shall, subject to any order that may be made under section 4 of the said Act, have effect from the date of its publication in the Official Gazette.

[F. No. III-14026/2/79-NE (I)]

P. P. SHRIVASTAV, Jt. Secy.